विचार बिन्दु

पेट भरे पर उपवास का उपदेश देना सरल है। –कहावत

गलत काम करने पर अपराध-बोध क्यों नहीं होता?

आज मुझे एक पुरानी फिल्म का यह गाना याद आ रहा है:

''देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान,
कितना बदल गया इंसान..........''

वास्तव में इंसान कितना बदल गया है, विशेष तौर पर वे जो महत्तवपूर्ण पदों पर बैठे हैं? पहले कोई व्यक्ति यदि गैर कानूनी या अनैतिक कार्य करता पाया जाता तो वह लंबे समय तक लोगों से आंखें चुराया करता था। वह सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचता कि कहीं कोई देख न ले और उसके अनैतिक कृत्य के बारे में पूछ न बैठे।

न केवल गलत काम करने वाला शर्म अनुभव करता, उससे मिलने वाला भी ऐसा छुप-छुप कर करता।

हाल ही में हरियाणा सरकार ने गुरमीत राम रहीम सिंह, जो कि हत्या और बलात्कार के दो मामलों में दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास की सज़ा भुगत रहा था, को पैरोल पर छोड़ने का निर्णय लिया। न केवल यह, उसे 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा भी प्रदान की गई।

उच्च स्तर की ऐसी सुरक्षा केवल अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों (वीवीआइपी) को ही प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के 10 अधिकारी एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के 55 अधिकारी एवं कर्मचारी सुरक्षा हेतु 24 घंटे तैनात रहते हैं। यह सुरक्षा प्रदान करते समय, इस बात का आकलन किया जाता है कि वीवीआईपी को किस प्रकार का खतरा है एवं उसका जीवन देश के लिए कितना महत्वपूर्ण है? पाठकों के लिए जाना उचित होगा कि देश में इस प्रकार की सुरक्षा केवल गिने-चुने 40 लोगों को ही वर्तमान में उपलब्ध है। जहां तक गुरमीत राम रहीम सिंह को यह सुविधा एवं सुरक्षा प्रदान करने का प्रश्न है, इसका कारण उसे खालिस्तान समर्थकों से जान का खतरा होना बताया गया है।

पंजाब एवं भारत सरकार यह दावा करते रहे हैं कि सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में अत्यधिक अच्छी हो गई है। संभवतः इसी आधार पर निर्वाचन आयोग ने भी पंजाब में केवल एक ही दिन 20 फरवरी को मतदान कराने का निर्णय लिया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में 7 चरणों में मतदान कराया जा रहा है। स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग को पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था अच्छी दिखाई दी। यदि ऐसा था तो फिर हरियाणा सरकार का यह निर्णय संदेह के घेरे में आता है। इसे अपराधियों का सम्मान करने की दृष्टि में से भी देखा जाना चाहिए। इसका कारण ढूंढना कठिन नहीं है। गुरमीत राम रहीम सिंह को 6 फरवरी को पैरोल पर छोड़ा गया जबकि पंजाब में मतदान 20 फरवरी को होना था। स्पष्ट है राम रहीम के अनुयायियों का चुनाव में समर्थन प्राप्त करने के लिए ऐसा कदम उठाया गया। साथ में यह दर्शाने का भी प्रयास किया गया कि सत्ताधारी सरकार किस प्रकार राम रहीम सिंह को महत्वपूर्ण मानते हुए उसे सर्वोच्च श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करती है।

सामान्यतया बलात्कार एवं हत्या के अपराध सर्वाधिक घृणित श्रेणी में आते हैं एवं ऐसे जघन्य अपराधों के लिए ही राम रहीम को 20 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई थी। एफ आई आर दर्ज हुई, उसके बाद, उसकी पुलिस द्वारा विस्तृत जांच होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विस्तृत सुनवाई के बाद बाबा को अपराधी मानते हुए सजा सुनाई गई। इस प्रकार का निर्णय जो अपराधियों को सम्मानित करने वाला हो, शायद पहला है। अब अन्य कई अपराधियों द्वारा भी इस प्रकार के सम्मान की मांग की जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

किस प्रकार सरकार बिना किसी संकोच के अपराधियों के साथ खड़ी दिखाई देती हैं, वह एक और प्रकरण से स्पष्ट होता है। भारत सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों पर अपनी गाड़ी चढ़ा दी जिसके कारण तीन किसान अपनी जान खो बैठे। आशीष मिश्रा इसके कारण जेल में बंद भी रहा और फिलहाल जमानत पर है। जब अपराधी का पिता भारत सरकार के गृह मंत्रालय में मंत्री पद पर आसीन हो तो फिर पुलिस के द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आशीष मिश्रा के विरुद्ध केस को कमजोर करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यह उल्लेखनीय है के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण गृह विभाग का होता है और इसी में राज्य मंत्री के पद पर आशीष मिश्रा के पिता अजय मिश्र टेनी विराजमान हैं। अब तक न तो अजय मिश्रा ने इस्तीफा दिया है एवं न ही, उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया गया है।

जब गैंगवार होती है तो दोनों पक्ष, एक-दूसरे पर वार कर शारीरिक या अन्य प्रकार की हानि पहुंचाने का प्रयास करते रहते हैं। यदि इसी आधार पर कोई एक पक्ष सत्ता के नजदीक होने के कारण सुरक्षा प्राप्त करने लग जाए, तो फिर जनता में अपराधियों के प्रति किस प्रकार की छवि बनेगी यह सोचना कठिन नहीं है।

हत्या के आरोप में जेल में बंद व्यक्तियों के जमानत पर छूटने के पश्चात उनका सम्मान करने की घटनाएं तो यदा-कदा पढ़ने और सुनने में आती ही रहती हैं। अपराधियों को सम्मान देने का ही परिणाम है कि वर्तमान संसद में 30 से 40 प्रतिशत सदस्यों के विरुद्ध गंभीर अपराध में लिप्त होने के कारण उनके विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं। निर्वाचन आयोग यह सिफारिश कर चुका है कि जिन व्यक्तियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक प्रकरणों में न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी जाए, उनके चुनाव में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया जाए। सरकार इसे न मानना, इसी बात का संकेत है कि सत्ताधारी दल,चाहे वह कोई भी क्यों ना हो, अपराधी व्यक्तियों को संरक्षण देकर ही अपनी जीत को सुनिश्चित करना चाहते हैं। ऐसा करके क्या वे सामान्य नागरिकों को अपराध की ओर प्रोत्साहित करने का कार्य नहीं कर रहे हैं? ऐसा ही स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी देखी जा सकती है ललित मोदी, नीरव मोदी, विजय माल्या, निखिल चौकसी एवं इनके जैसे अनेक लोग, जो लाखों-करोड़ों रुपए बैंकों से ऋण लेकर डकार गए, के चेहरे पर कोई शिकन तक कभी नहीं आई। वह देश से दूर रहकर भी लगातार मीडिया से संपर्क में हैं, और टीवी पर लगातार इंटरव्यू देते रहे हैं। सामान्य नागरिक जिनकी जेब से पैसा निकाल कर बैंकों ने इन्हें कर्जा दिया, वह भले ही अपने घर पर बैठकर ऐसे लोगों को बुरा-भला कहते रहें।

देश में अपराध की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है तो न केवल ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां अपराध करने वाला व्यक्ति शर्मिंदा महसूस करे एवं उसे बचाने वाला, सम्मानित करने वाला अथवा सुरक्षा प्रदान करने वाला भी शर्मसार हो। यदि वह स्वयं ऐसा न करे, तो जनता का यह कर्तव्य है कि अवसर मिलने पर ऐसे व्यक्तियों को शर्मिंदा होने पर बाध्य करें। अपराधी, अपराधी ही रहता है चाहे वह सत्ताधारी दल के समर्थन में विभिन्न प्रकार के बयान ही क्यों न दें। यदि आप सरकार के विरुद्ध बयान देते हैं तो आप को प्रताड़ित किया जाएगा एवं यदि आप किसी भी प्रकार का कोई भी भड़काऊ भाषण सरकार के पक्ष में दें तो आपको ना केवल सुरक्षा प्रदान की जाएगी अपितु समय आने पर, संभवतया राज्यसभा की सीट भी दे दी जाएगी। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने निरंतर उत्तेजक बयान सरकार के पक्ष में दिए तो उन्हें तत्काल वाई श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध करा दी गई। शायद कुछ समय बाद हमें सुनने को मिले कि उन्हें राज्यसभा की सदस्यता दे दी गई है। ऐसा नहीं है कि यह केवल किसी एक के शासन में ही ऐसा होता है। गलत काम करने वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलती ही रही है। ऐसे व्यक्ति चाहे धार्मिक क्षेत्र में हों, सामाजिक क्षेत्र में हों, व्यवसाय के क्षेत्र में हो, शिक्षा के क्षेत्र में हो अथवा किसी अन्य क्षेत्र में, जो व्यक्ति जितना गलत काम कर सकता है उतना ही वह तेजी से तथाकथित प्रगति की सीढ़ियां चढ़ सकता है। यदि आप रिश्वतखोर, बेईमान अधिकारी हैं और अत्यधिक धनराशि आपने बेईमानी से कमाई है तो उसी धन के उपयोग से आप राजनीतिक नेताओं की सेवा कर सकते हैं और उचित पद स्थापन अथवा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यदि नेतागण, विभिन्न प्रकार के अपराधों के माध्यम से स्वयं धन अर्जित कर सकते हैं अथवा अन्य को ऐसा करने में माध्यम बन सकते हैं, तो उनके चुनाव जीतने की संभावना अधिक बनती देखी गई है, क्योंकि यही वे लोग हैं जो बेशुमार धनराशि, अपने चुनाव में खर्च कर सकते हैं।

कुमार विश्वास ने हाल ही में केजरीवाल को खालिस्तान समर्थक बताते हुए एक वीडियो जारी किया। कुमार विश्वास के अनुसार अरविंद केजरीवाल किसी को यह आश्वासन देते हुए सुने गए कि वह यदि पंजाब का मुख्यमंत्री नहीं बन सका तो खालिस्तान का तो बन ही जाएगा। इस प्रकार का गंभीर आरोप लगाने के बावजूद कुमार विश्वास पर कोई कार्यवाही होने के बजाय उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान कर दी गई।

जब गैंगवार होती है तो दोनों पक्ष, एक-दूसरे पर वार कर शारीरिक या अन्य प्रकार की हानि पहुंचाने का प्रयास करते रहते हैं। यदि इसी आधार पर कोई एक पक्ष सत्ता के नजदीक होने के कारण सुरक्षा प्राप्त करने लग जाए, तो फिर जनता में अपराधियों के प्रति किस प्रकार की छवि बनेगी यह सोचना कठिन नहीं है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गुरमीत राम रहीम को जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान करने के निर्णय का बचाव करते हुए कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा उपलब्ध कराए, चाहे वह सजायाफ्ता कैदी ही क्यों ना हो? यदि वे वास्तव में सुरक्षा के प्रति चिंतित थे तो गुरमीत राम रहीम को पैरोल पर छोड़ने की ऐसी क्या मजबूरी थी? एक और जहां सरकार सामान्य नागरिक, बच्चे, बुजुर्ग, महिलाओं, निशक्त जनों को समुचित सुरक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रही है, वहीं, आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बलात्कारी एवं हत्यारे व्यक्ति को उच्चतम स्तर की सुरक्षा, सरकारी खर्च पर उपलब्ध कराना समझ से परे है। केवल चुनावी लाभ के लिए ऐसा करना अक्षम्य अपराध है समाज में जब तक ईमानदार और अच्छे आचरण वाले व्यक्तियों को प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं होगी, तब तक इस प्रकार के व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना कम रहेगी। साथ ही अनैतिक कार्य करने वाले एवं अपराधियों को जब तक सामाजिक रूप से बहिष्कार नहीं किया जाएगा, तब तक ऐसा करने से अन्य व्यक्तियों को रोकना संभव नहीं होगा। यदि उनका बहिष्कार भी कर पाएं तो कम से कम उन्हें उच्चतम सुरक्षा प्रदान करा कर सम्मानित करने का काम तो न करें। हरियाणा सरकार ने गुरमीत राम रहीम को जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा और वह भी पंजाब चुनाव के समय उपलब्ध करा कर, नितांत ही अनुचित कार्य किया है।

हम तो केवल आशा ही कर सकते हैं कि जिन लोगों ने यह निर्णय लिया, उनमें कभी अपराध बोध का भाव उत्पन्न हो और वह किसी न किसी रूप से प्रायश्चित करें। लेकिन ऐसा वे तब ही तो करेंगे जब उन्हें अपनी गलती का एहसास होगा जिसकी संभावना कम ही है। अब तो भगवान भी देख कर रहे होंगे कि मेरा बनाया इंसान कितना बदल गया है?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कीटनाशकों का गर्भस्थ शिशु पर कहर।

आमिर खान का बहुचर्चित प्रोग्राम सत्यमेव जयते! इसमें एक एपीसोड कीटनाशकों के दुषप्रभावों पर था। इसमें मैंने अपने दो अध्ययनों का ब्यौरा दिया था। एक, प्रमुख न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट (एन टी डी) मस्तिष्क विहीन बच्चों का और दूसरा, जननांगों की जन्मजात विकृतियों का। पहला अध्ययन जयपुर के महिला चिकित्सालयों के प्रसव कक्षों के रजिस्टर (लेबर रूम रजिस्टर) में अंकित गंभीर जन्मजात विकृतियों पर आधारित था और दूसरा भटिन्डा और पास के दो शिशु-शल्यचिकित्सक (पेडियाट्रिक सर्जन) के पास आये उपचार साध्य जन्मजात विकृतियों के बच्चों पर।

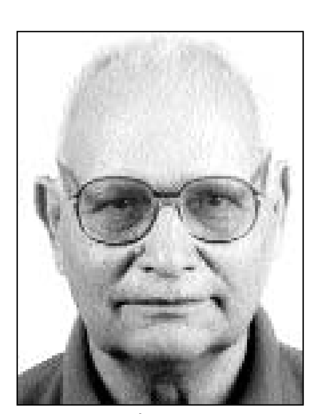

डॉ. श्रीगोपाल काबरा

पहले अध्ययन में मस्तिष्क विहीन बच्चों की आघटन दर (इन्सीडेन्स) अधिक मिली। मस्तिष्क और स्पाइनल कॉर्ड गर्भावस्था के प्रारंभिक 6 सप्ताह में ही विकसित हो जाते हैं। अतः मस्तिष्क के विकृति कारकों के अध्ययन के लिए हर मस्तिष्क विहीन बच्चे का गर्भाधान का महीना देखा गया- एल एम पी (आखिरी बार हुए मासिक का महीना)। जब मस्तिष्क विहीन बच्चों की आघटन दर गर्भाधान महीनों के अनुसार प्लॉट की गई तो आश्चर्य जनक तथ्य सामने आया कि साल के दो महीनों में यह दर अपेक्षाकृत कहीं अधिक थी। सवाल था कि गर्भधारण के इन दो महीनों में ऐसा क्या था जो मस्तिष्क विहीनता का कारण हो सकता था। मस्तिष्क विहीनता का प्रमुख कारण, फोलिक एसिड की कमी, हमें ज्ञात था। वर्ष के उन दो महीनों में फोलिक एसिड की जनसाधारण में अधिक कमी का कारण ज्ञात करना था। विवेचन पर सामने आया कि ऐसा सर्वव्यापी कारण फोलिक एसिड रोधक कीटनाशक हो सकते हैं जो उन दो महीनों में वातावरण व खान पान की चीजों में अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होते हैं। अतः फोलिक एसिड रोधक कीटनाशकों को मस्तिष्क विहीनता के कारकों के रूप मे प्रतिपादित किया गया।

दूसरे, पंजाब के अध्यन में जननांगों की विकृति की आधटन दर अन्य विकृतियों की अपेक्षा अधिक थी। अविकसित, अर्धविकसित और विकृत नर व मादा जनानांग और गुदाद्वार की विकृतियां। जननांगों की ऐसी विकृतियां जिनके होने पर बच्चे को 'आधा अधूरा' माना जाता है। अनेक कीटनाशक जन्मजात विकृति कारक होते हैं। पंजाब में प्रचुर मात्रा में कीटनाशक उपयोग में लिए जाते हैं। हाल के अध्ययनों से सामने आया है कि अनेक कीटनाशक नर या मादा हार्मोन डिसरप्टर (क्षत विक्षत करने वाले) होते हैं। गर्भावस्था की उस अवस्था के दौरान जब जननांग विकसित हो रहे हो तब अगर गर्भवती महिला इन कीटनाशकों के प्रभाव में आये तो गर्भस्थशिशु में जननांगों की जन्मजात विकृतियां होने की संभावनाएं बढ जाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में प्रयोग में आने वाले कीटनाशकों में ऐसे हार्मोन डिसरप्टर कीटनाशक प्रचुर मात्रा में काम में लिए जा रहे थे। ऐसे कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा था जो हार्मोन डिसरप्टर और विकृति कारक के रूप में चिन्हित हैं। अनुसंधान शाला में प्रयोग और जानवरों पर मान्य प्रयोगों के आधार पर ऐसे कीटनाशकों को हार्मोन डिसरप्टर और विकृति कारक (टेराटोजन) की संज्ञा दी जाती है।

हाल ही में कीटनाशक समर्थकों द्वारा प्रायोजित एक प्रोग्राम हैडलाइन्स टुडे पर प्रसारित किया गया। कथित तौर पर यह प्रोग्राम आमिर खान के 'सत्य मेव जयते' में प्रचारित 'झूठ' और 'आक्षेपों' का उत्तर देने को था। प्रोग्राम में एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ ने 'डॉ काबरा' के उपरोक्त अध्ययनों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। ''हमारी सरकार ने पूरी जांच-पड़ताल और समीक्षा कर कर ही कीटनाशकों को रजिस्टर कर उन के उत्पादन का लाईसेंस दिया है। अगर कोई कीटनाशक 'पोटेंशियली कारसिनोजेनिक या टेराटोजेनिक' होता तो हमारी सरकार उसकी अनुमति नहीं देती। मैं अपने 30 साल के स्त्रीरोग विशेषज्ञ के चिकित्सकीय अनुभव के आधार पर यह दावे और विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देश में लाईसंस्ड ऐसा कोई कीटनाशक नहीं है जो टेराटोजेनिक (जन्मजात-विकृति-कारक) हो।''

मुझे उदयपुर से रिपोर्ट किया अर्से पूर्व का एक वाकिया याद आया। सेलफास नामक घरों में काम लिए जाने वाला कीटनाशक। अस्पताल में काम करने वाले एक डाक्टर दम्पति के बीच किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा हुआ। तैश में आकर महिला डॉक्टर ने पास ही रखी सेलफास की गोली गटक ली, पति के सामने, पति को दिखा कर। पति रोक भी नहीं पाया। तुरन्त महिला को अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद महिला को बचाया नहीं जा सका। यह जहर ही ऐसा था। महिला के पिता वरिष्ठ राजनेता थे। उनका मानना था कि डॉक्टर पति ने अन्य डॉक्टरों से साजिश कर उनकी लड़की को मारा है, वजह दहेज का लालच और लालसा।

राजनेता पिता एक वकील के पास गये, हत्या का मुकदमा दायर करवाने। उन्होने वकील से कहा:– ''हमारी सरकार ने सेलफोस के लिए लाइसंस दे रखा है। यह व्यापक रूप में मिलता है। अगर जहर होता तो सरकार कभी लाइसंस नहीं देती। सब झूठ है। साजिश है। यह ऐसा धातक जहर हो ही नहीं सकता। हमारे यहां तो यह कितने दिनों से उपयोग में आ रहा है। आपको विश्वास नहीं तो मैं आपके सामने इसे खा कर दिखाता हूं। लालची डॉक्टर ने मेरी बेटी की हत्या की है। हत्यारा! .....''और यह कहते कहते उन्होंने जेब से डिब्बी निकाली और सेलफोस की गोली गटकली। अस्पताल पहुंचे और, अपनी बेटी की तरह ही, आखिर तक कहते रहे 'मरना नहीं चाहता, बचालो', लेकिन बचे नहीं। उनका अंधविश्वास घातक सिद्ध हुआ। जहर घातक था।

कीटनाशक कब, कैसे, किस अवस्था में, किस मात्रा में और किस प्रकार घातक जहर सिद्ध होगा कहना मुश्किल है। लेकिन यहां बात उनके टेराटोजेनिक (गर्भस्थ भ्रूण में विकृति कारक) होने की थी। अमेरिका में एक पत्रकार, बेरी एस्टाब्रूक, की इस सम्बन्धी रिपोर्ट ने तहलका मचा रखा है। रिपोर्ट अमेरिका में फ्लोरिडा के इम्मोकाली की है जहां बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती होती है। ऐसे ही एक खेत की टावर केबिन्स नामक खेत-मजदूरों की 30 घरों की छोटी सी बस्ती। धर क्या लकड़ी के फट्टो से बने छोटे-छोटे टापरे। हर टापरे में एक परिवार। सभी काम की तलाश में मेक्सीको से घुसपेठ कर आये गरीब परिवार। अवैध होने के कारण सभी बन्धकों का सा जीवन जीने को बाध्य।

क्रिसमस के पहले डेढ महिने के अंतराल में कैम्प की तीन मजदूर महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया। पहली महिला को लड़का हुआ, नाम रखा कारलोस। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, चारों हाथ पांव नदारद (टट्रोमेलिया)।

छः सप्ताह बाद पड़ोस की टापरी में रहने वाली दूसरी महिला के बच्चा हुआ। उसे पिअरी रोबिन सिन्ड्रोम नामक गंभीर जन्मजात विकृति थी। इस विकृति में नीचे का जबड़ा अविकसित और

छोटा होता है। साथ ही बच्चे की जीभ पीछे की और इतनी धकेली हुई की स्वांस यंत्र को अवरुद्ध कर दे, दम घुट जाय। ऊपर का तालू मध्य से फटा हुआ।

दो दिन बाद कैम्प की तीसरी महिला को बच्चा हुआ। बच्चे का एक कान, और नाक नदारद; तालू फटा हुआ; गुर्दा केवल एक; एनस (मलद्वार) बंद और बाहरी जननांग नदारद। बाद में मालूम हुआ वह एक बच्ची थी। विकृतियां इतनी अधिक और गंभीर थी कि बच्ची तीन दिन ही जिन्दा रही।

एक साथ तीन विकृत जन्म, एक ही समय और एक ही जगह रहने और काम करने वाली तीन महिलाओं में। सवाल उठा ऐसा कैसे हुआ? क्या तीनों महिलाओं में कोई समान टेराटोजेनिक फेक्टर था? अगर था तो उसने गर्भावस्था की प्रारम्भिक अवस्था में ही प्रभाव डाला होगा जब गर्भस्थ शिशु के विभिन्न अंग विकास रत थे। तीनों महिलाओं का एल एम पी (आखिरी मासिक) के अनुसार गर्भधारण के महीने देखे गए। ये वही महीने थे जब टमाटरों के खेतों में, जहां ये महिलाएं काम करती थी, कीटनाशकों का गहन छिड़काव किया जाता है। लेकिन नियमानुसार छिड़काव के बाद एक नियमित समय तक खेत या उसके आसपास किसी का भी जाना वर्जित होता है। इस आशय के साइन बोर्ड लगाये जाते हैं अवरोधक लगाये जाते हैं। ऐसे में ये महिलाएं कीटनाशक के प्रभाव में नहीं आ सकती। लेकिन महिलाओं ने बताया कि उनके मालिकों ने इसकी अवहेलना कर उन्हे उस समय भी खेतों में काम करने को बाध्य किया था। प्रयोग में लिए गये 31 कीटनाशकों की फेहरिस्त में अनेक चिन्हित हार्मोन डिसरप्टर और टेराटोजेनिक कीटनाशक थे। हर्बीसाइड मेट्रिबुजिन, पंगीसाइड मेन्कोजेब और कीटनाशक एवरमेक्टिन तो 'डेवलपमेंटल एवं रिप्रोडक्टिव टॉक्सिन' के रूप में चिन्हित हैं। टेराटोजेनिक - गर्भ में विकृति कारक।

रिपार्ट में जो दो विकृत बच्चे जीवित रहे, उनका, उनके गरीब मां-बाप की हालात का बड़ा मार्मिक विवरण दिया गया है। रिपोर्ट में लिखा है कि सामाजिक कार्यकर्ता के कहने पर इस विषय के विशेषज्ञ एक वकील ने उनका केस अपने हाथ में लिया है। कोई फीस नहीं लेगें। सारा खर्चा वही वहन करेगें। बस यह करार किया गया है कि अगर मुआवजा मिला तो उसका आधा वकील लेगा। लेकिन मुआवजे के लिए यह निःसंदेह सिद्ध करना होगा कि कीटनाशक ही विकृतियों के कारण थे। यह मुश्किल होगा, कारण जन्मजात विकृतियों के और भी कई कारण होते हैं जैसे– धूम्रपान, शराब, मादक पदार्थ सेवन, अन्य परियावरण प्रदूशक, जैनेटिक आदि।

आज अनेक अध्ययन और अनुसंधान रिपोर्ट उपलब्ध हैं जो दर्शाती हैं कि अनेक कीटनाशक टेराटोजेनिक हैं, इनसे जन्मजात विकृतियां होती हैं, बढती हैं। देखना यह है कि इन सब के आधार पर वकील उन गरीब महिलाओं को कितना न्याय दिला पायेगें। विपरीत साक्ष्य जुटाना बड़े वकीलों के लिए कोई कठिन कार्य नहीं है। अपने पक्ष के वैज्ञानिक भी जुटाये जा सकते हैं। साक्ष्य सम्बन्धी न्यायिक बारीकियां बड़ी पेचीदा होती हैं। उच्च न्यायालय में इन्हे ही अधिक महत्व दिया जाता है। फिर भी देर सवेर न्याय मिलता ही है। गरीब की तो इसी आशा में पीढ़ियां जीती हैं।

–डॉ. श्रीगोपाल काबरा
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर

पर्यटन विभाग की लापरवाही के चलते अस्तित्व खो रहा बदनोर का ऐतिहासिक किला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद विधानसभा का बदनोर कस्बा एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। भीलवाड़ा में यह सात मंजिला किला मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। भीलवाड़ा से 70 किलोमीटर की दूरी पर भीलवाड़ा-आसींद रोड पर स्थित, यह लुभावने दृश्य प्रस्तुत करता है। बदनोर किले की दीवारों के भीतर कई छोटे स्मारकों और मंदिरों को भी देखा जा सकता है। बदनोर शहर को पहले वर्धनपुर के नाम से जाना जाता था। यह राजस्थान राज्य के सबसे खूबसूरत किलों और महलों में से एक है। बदनोर का किला मध्यकालीन भारतीय सैन्य शैली की वास्तुकला का एक उदाहरण है। यह सात मंजिला किला एक पहाड़ी के ऊपर खड़ा है और चारों ओर व्यापक दृश्य प्रस्तुत करता है।

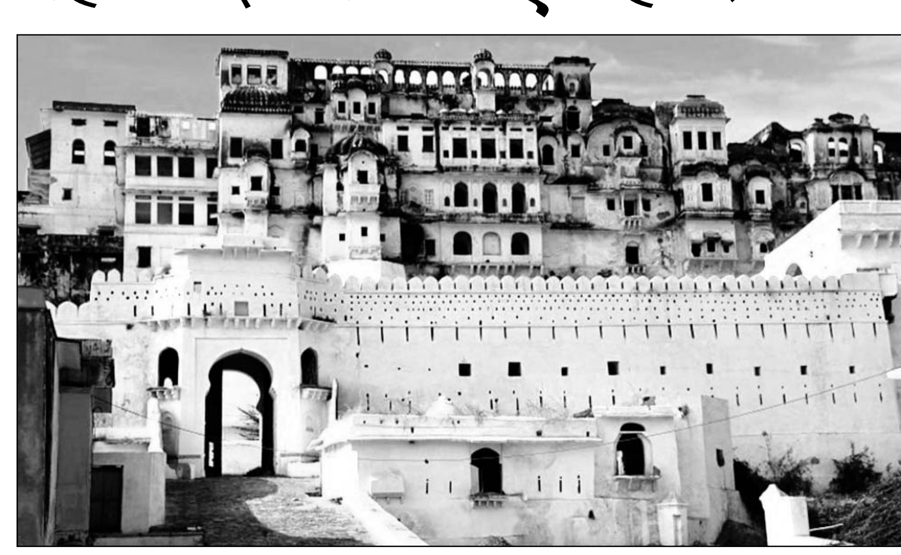

भीलवाड़ा से 70 किलोमीटर दूर भीलवाड़ा-आसींद रोड पर स्थित यह किला अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।

■ भीलवाड़ा में यह सात मंजिला किला मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है

बदनोर किला के भीतर की सभी इमारतें पारंपरिक राजपूताना शैली की वास्तुकला में बनी हैं जो वास्तुकला की व्यापक हिंदू शैली का एक स्थानीय रूपांतर है। राजस्थान राज्य के भीलवाड़ा जिले का एक छोटा कस्बा और एक पंचायत है। यह कई गांवों के लिए एक तहसील है। बदनोर किले को भीलवाड़ा किले के नाम से भी जाना जाता है। किला मध्यकालीन भारतीय सैन्य बल शैली की वास्तुकला का एक उदाहरण है। किले को रणनीतिक रूप से एक झील के पास रखा गया है जो न केवल एक विस्मयकारी दृश्य देता है बल्कि आक्रमणकारियों को एक तरफ से आसानी से हमला करने से रोकता है। किले के निवासियों के लिए झील का पानी का प्रमुख स्त्रोत था। किले में प्रवेश करने के लिए, विशाल द्वार से गुजरना पड़ता है जिसे सही मायने में बड़ा दरवाजा के नाम से जाना जाता है। किले के प्रवेश द्वार पर दो मंदिर देखे जा सकते हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आपको कई अस्तबलों के साथ अलग-अलग कक्षों वाली एक जेल मिलेगी। इसके अलावा किले में कई कमरे हैं जो विभिन्न स्तरों पर फैले हुए हैं और प्रत्येक कमरे में एक छोटी सी खिड़की है। इन खिड़कियों का निर्माण सिर्फ सजावट के लिए नहीं किया गया था बल्कि इनका इस्तेमाल ज्यादातर आक्रमणकारियों को निशाना बनाने और उन पर गोली चलाने के लिए किया जाता था। इसने लोगों को ध्यान केंद्रित करने और हमला करने के लिए स्थिरता प्रदान की। जबकि उनमें से कुछ ने इसके लिए उभरी हुई बालकनियों का इस्तेमाल किया। किले के पास जलमहल पैलेस नाम का एक महल है जो विनोद सागर झील के किनारे बना है। इस महल को किले के राजसी निवासियों के लिए ग्रीष्मकालीन घर के रूप में परोसा जाता था परंतु अब यह किला अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। किला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। यह किला राज्य सरकार के अधीन होते हुए शिक्षा विभाग में लिया गया। कुछ समय बाद पर्यटक विभाग में लिया जिसमें 2019 में एसडीम अतर आमिर खान ने दो करोड़ रुपए से इस किले की मरम्मत करवाई थी परंतु इस किले की देख-रेख के अभाव में अब अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। चारों और जर्जर अवस्था में यह किला क्षतिग्रस्त हो चुका है। समय रहते सरकार ने बदनोर के इतिहास को संभाल के रखने के लिए कोई कदम नहीं उठाया तो यह अपना अस्तित्व खो देगा।

राशिफल मंगलवार 1 मार्च, 2022

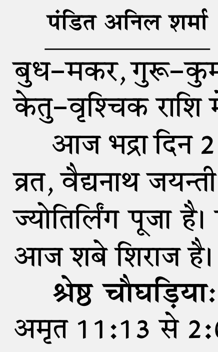

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 3:48 तक, परिद्य योग दिन 11:17 तक, विष्टि करण दिन 2:08 तक, चन्द्रमा सांय 4:31 पर कुम्भ राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा दिन 2:08 तक रहेगी। आज महादिशवरात्रि व्रत, वैद्यनाथ जयन्ती, कृत्तिवासेश्वर दर्शन और पूजा और ज्योतिर्लिंग पूजा है। पंचक सांय 4:31 से आरम्भ होगा। आज शबे शिराज है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:47 से 11:13 तक, लाभ-अमृत 11:13 से 2:05 तक, शुभ 3:30 से 4:57 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 6:23

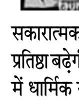

मेष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

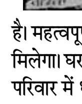

सिंह

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव दूर होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

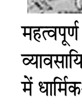

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

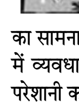

वृष

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

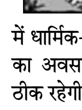

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

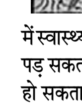

मकर

मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

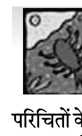

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

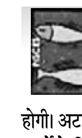

कुंभ

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

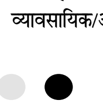

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

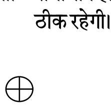

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

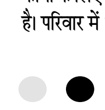

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।